प्रकाशक/स्वामीत्व
रजनी (पुत्री-महेश धावनिया)

डाक पंजियन संख्या : JaipurCity/423/2017-19

श्री बाबा

प्रधान कार्यालय-सी-57, महेश नगर, जयपुर-15, मो.-9928260244 हिन्दी मासिक समाचार पत्र 7073909291 E-mail:shreebaba_2008@yahoo.com

वर्ष : 12 अंक : 5 आर.एन.आई. नं. : RAJHIN/2008/24962 जयपुर, 5 जुलाई, 2019 मूल्य : 5 रुपए प्रति पृष्ठ : 4

कप्तान दुर्गाप्रसाद चौधरी पत्रकारिता पुरस्कार समारोह

हमारी सरकार का एकमात्र उद्देश्य है गुड गवर्नेंस: गहलोत

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि गुड गवर्नेंस हमारी सरकार का एकमात्र उद्देश्य है। आमजन को

संवेदनशील, पारदर्शी और जवाबदेह शासन देना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसमें मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण होने के साथ ही सबका सहयोग बेहद जरूरी है। श्री गहलोत दैनिक नवज्योति समाचार पत्र के संस्थापक एवं स्वतंत्रता सेनानी स्व. कप्तान दुर्गाप्रसाद चौधरी पत्रकारिता पुरस्कार समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर दैनिक नवज्योति के प्रधान सम्पादक श्री दीनबंधु चौधरी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर लिखित 'गौरव ग्रंथ' का भी विमोचन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि कप्तान दुर्गाप्रसाद चौधरी ने सिटीजन कौंसिल के माध्यम से अजमेर के विकास में बड़ी भूमिका निभाई।

महान नेताओं के योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता: मुख्यमंत्री ने कहा कि पं. जवाहर लाल नेहरू, सरदार पटेल, डॉ. भीमराव अम्बेडकर, मौलाना अबुल कलाम आजाद, इंदिरा गांधी जैसे महान नेताओं के त्याग और बलिदान के कारण ही भारत में 70 साल बाद भी आज मजबूत लोकतंत्र कायम है। देश के विकास और लोकतंत्र की मजबूती के लिए इनके योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता, लेकिन दुर्भाग्य की बात है कि राजनीतिक स्वार्थों के चलते आज दुष्प्रचार किया जा रहा है। यह दुष्प्रचार हमारे देश को गलत दिशा में ले जाएगा।

भावनात्मक मुद्दों की जगह सिद्धान्त और नीतियों पर बात हो: श्री गहलोत ने कहा कि भावनात्मक मुद्दों पर अनर्गल बहस के बजाय सिद्धांत और नीतियों पर बात होनी चाहिए तभी यह देश सही दिशा में आगे बढ़ सकेगा। उन्होंने कहा कि इतिहास से छेड़छाड़ उचित नहीं है, क्योंकि सच्चाई को कभी नहीं बदला जा सकता। जो लोग गौरवशाली इतिहास को बदलना चाहते हैं, वे कभी अपना इतिहास नहीं बना सकते। उन्होंने कहा कि कुछ लोग धर्म के नाम पर देश को बांटने का प्रयास करते हैं, **(शेष पृष्ठ 2 पर)**

अगस्त से नहीं होगा बिना हाई सिक्युरिटी नंबर प्लेट के वाहनों का रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली। अगस्त से बगैर हाई सिक्युरिटी नंबर प्लेट (एचएसआरपी) वाहनों का रजिस्ट्रेशन नहीं होगा। सड़क परिवहन मंत्रालय वाहनों के रजिस्ट्रेशन वाले सॉफ्टवेयर को अपडेट कर रहा है। यह सॉफ्टवेयर इस माह के अंत तक अपडेट हो जाएगा।

अगस्त से सॉफ्टवेयर सामान्य नंबर प्लेट वाले वाहनों का रजिस्ट्रेशन स्वत: ही नहीं करेगा। मंत्रालय के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया, मंत्रालय सभी वाहनों के लिए 1 अप्रैल 2019 से एचएसआरपी लागू कर चुका है। इससे संबंधित नोटिफिकेशन जारी हुए तीन माह बीत चुके हैं। इसके बावजूद कई आरटीओ सामान्य नंबर प्लेट के साथ नए वाहनों का रजिस्ट्रेशन कर रहे थे। इसे देखते हुए मंत्रालय ने यह फैसला किया है। अधिकारी ने बताया, सड़क परिवहन मंत्रालय ने वाहनों की चोरी और वाहनों के दुरुपयोग पर अंकुश के लिए नए वाहनों के लिए एचएसआरपी को अनिवार्य किया है। यह नंबर प्लेट मैन्युफैक्चरर को ही लगा कर देनी है। इस तरह की नंबर प्लेटों में किसी भी तरह से छेड़छाड़ नहीं की जा सकती है।

विश्व शांति कार रैली को डीजीपी ने दिखाई हरी झंडी

जयपुर। साबरमती से लंदन तक निकाली जाने वाली 17 हजार किलोमीटर लंबी विश्व शांति कार रैली को जयपुर में

जेएलएन मार्ग स्थित होटल में राजस्थान पुलिस के डीजीपी भूपेन्द्र सिंह यादव ने हरी डंडी दिखाकर आगे के लिए रवाना किया। डीजी राजीव दासोत ने बताया कि रैली को आयोजित करने वाले श्री सांई ट्रस्ट महिला एवं चिल्ड्रन वेलफेयर ट्रस्ट के प्रबन्धक बृजमोहन आर सूद, पूर्व लोकायुक्त सज्जन सिंह कोठारी, राजस्थान के सेन्ट्रल जीएसटी कमिश्नर राकेश शर्मा, एडीजी नरसिम्हा राव, आरपी मेहरड़ा, पीके सिंह, संजय अग्रवाल, मालिनी अग्रवाल, सुनील दत्त व हेमन्त प्रियदर्शी अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अखिल भारतीय बैरवा महासभा की राष्ट्रीय बैठक सम्पन्न

जयपुर। अखिल भारतीय बैरवा महासभा रजि. 277 की राष्ट्रीय बैठक का आयोजन एम पी क्लब नार्थ एवेन्यू नई दिल्ली पर रखा गया जिसकी अध्यक्षता श्री हरिनारायण बैरवा साहब राष्ट्रीय अध्यक्ष जी ने की। स्वागत भाषण श्री रतन लाल बैरवा राष्ट्रीय महामंत्री जी ने की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में सभी प्रदेशों के कार्यकरणी सदस्यों ने बढ़ चढ़कर अपनी अपनी भूमिका अपने विचारों के द्वारा कराई,सभी के सुझावों को आखिर में सभी के सहमति से पूर्ण बहुमत से पास कराया गया। 1. मुख्य एजेन्डा साल 2018 से 2019 का आय व्यय का ब्यौरा रहा। 2. समाज को कुरीतियों से कैसे मुक्त कराया जाए,सभी ने विचार दिये। 3. समाज को एक प्लेटफार्म पर लाने के लिये,किस तरह से मंच पर एक किया जाए विचार लिये गए। 4. संस्था को आर्थिक लाभ और समाज को फायदा कैसे हो इस विषय पर गम्भीर विचार हुआ। 5. समाज मे शिक्षा का अभाव बहुत है बच्चो को कैसे शिक्षा के लिये जागरूक किया जाए। 6. महिलाओं की हिस्सेदारी और उनके संगठन को कैसे बढ़ाया जाए उस पर भी सभी के विचार लिये गए। बाकी सभी मुद्दों पर अध्यक्ष जी ने एक एक कर सभी विचारों पर अपनी राय देकर सभी को एक छत एक झंडे के नीचे लाकर साबित कर दिया कि वह सच मे एक बुद्धिजीवी,ऊर्जावान, पढ़े लिखे सज्जन है जो समाज का सही नेतृत्व करना जानते है। इन्ही शब्दों के साथ अपनी वाडी को विराम देता हूँ कोई भूल चुक हुई हो तो छमा करना। कार्यक्रम के अन्त में हेमन्त गाँगिया बैरवा राष्ट्रीय संगठन मंत्री दिल्ली ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

विशाल सम्मान समारोह 11 अगस्त को

जयपुर। श्री नारायण मानव सेवा समिति (रजि.), राजस्थान प्रदेश द्वारा विशाल सम्मान समारोह का आयोजन किया जा रहा है इस आयोजन में प्रमुख समाज सेवी, उद्योगपति एवं उत्कृष्ट व्यक्तियों को ''सांगानेर गौरव'' एवं ''सांगानेर श्री'' व आर्थिक सहयोग करने वाले भामाशाहों को सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया जायेगा इस मौके पर राजस्थान के सभी विद्यालयों में मेरिट आये विद्यार्थियों का सम्मान समारोह रखा गया है। यह समारोह रविवार, 11 अगस्त 2019 को सुबह 10.30 बजे से दोपहर 2 बजे तक सांगानेर के स्टेडियम में आयोजित किया जायेगा समिति के संस्था अध्यक्ष चन्द्रमोहन चेहता ने बताया की सम्मान हेतु आवेदन पत्र रविवार, 21 जुलाई 2019 तक जमा किये जा सकते है, इस समारोह में मानव हित और लोगों का जुड़ाव विशय पर विचार गोश्ठी भी रखी जायेगी। इस आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में लोग पहुंचे इसके लिये विभिन्न प्रकार से प्रचार प्रसार किया जा रहा है, सम्मान समारोह से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की जानकारी के लिये 8619336330 पर सम्पर्क करें।

बैरवा छात्रावास प्रबंधन समिति एवं छात्रावास निर्माण समिति की संयुक्त बैठक सम्पन्न

जयपुर। बैरवा शिक्षा प्रचार एवं सहायतार्थ समिति की कार्यकारिणी समिति, बैरवा छात्रावास प्रबंधन समिति एवं छात्रावास निर्माण समिति की संयुक्त बैठक बैरवा छात्रावास के सभागार श्रीकिशनपुरा, जगतपुरा, जयपुर में श्री दीपचंद बैरवा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमे निम्न बिंदुओं पर चर्चा हुई पूर्व बैठक कार्यवाही का अनुमोदन, वर्ष 2018-19 की ऑडिट रिपोर्ट एवं आय व्यय का ब्योरा, संस्था की स्मारिका का प्रकाशन पर चर्चा हुई स्मारिका के विज्ञापन के लिए पीछे का पेज 21000/-, अंदर का लास्ट व प्रथम पेज के पीछे 15000-15000/- अन्य पूरा पेज 11000/- आधा पेज 5500/- चोथाई पेज 2750/- का होगा, छात्रावास के द्वितीय तल का निर्माण पर चर्चा, आदि कई मुद्दो पर चर्चा की गई।

जिसमे उपस्थित बैरवा शिक्षा प्रचार एवं सहायतार्थ समिति के अध्यक्ष श्री दीपचंद बैरवा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री जे पी बैरवा, उपाध्यक्ष श्री एस के बैरवा, श्री ओमप्रकाश मूर्तिकार, महामंत्री श्री हरिराम नागरवाल , स. सचिव श्री दोलत माल्या, कोषाध्यक्ष श्री बाबूलाल महुआ, श्री रोड़ूराम सुलनिया संगठन सचिव व सचिव बैरवा छात्रावास प्रबंधन समिति, संगठन सचिव नरेश कुमार बैरवा, श्री अमरचंद बैरवा, प्रवक्ता श्री प्रभु लाल बैरवा, प्रबंधन समिति कोषाध्यक्ष श्री धन्ना लाल बैरवा बैरवा, कार्यकारिणी सदस्य/प्रबंधन समिति/निर्माण समिति सदस्य श्री बंशीलाल बैरवा, श्री नवरत्न बैरवा, श्री नानग राम बैरवा, डॉ भगवान सहाय बैरवा, विनोद कुमार बैरवा, समाज सेवी श्री हीरालाल हुडला, श्री जी डी मेहरा आदि उपस्थित थे।

सर्वधर्म सामूहिक विवाह सम्मेलन 10 जुलाई को

जयपुर। न्यू जागृति सामाजिक सेवा संस्थान की ओर से सर्वधर्म सामूहिक विवाह

सम्मेलन 10 जुलाई, 2019 को शीतला माता चाकसू में होने जा रहा है ऐसे परिवार जो अपनी बेटी की शादी का खर्चा उठाने में असमर्थ हैं वह अपनी मर्जी से बेटी का रिश्ता करने के बाद निचे दिए गए हैं नंबर पर सम्पर्क करे शादी पुरा खर्च न्यू जागृति सामाजिक सेवा संस्थान की ओर से किए जायेगा व हर लाडली बेटी का नया जीवन शुरू करने के लिए संस्थान की ओर से विशेष उपहार में 100 वर्ग गज भूमि व 1 लाख रुपए मूल्य करीब का घर उपयोगी सामान उपहार स्वरूप दिया जायेगा। वर पक्ष से 21,000 व वधू पक्ष से 11,000 रुपये सहयोग राशि ली जायेगी। अब तक 70 जोड़ों का पंजीयन हो चुका है। **कार्यालय :** फोर्थ फ्लोर 403 पुष्प एन्क्लेव 8 सेक्टर के सामने प्रताप नगर टोंक रोड जयपुर राजस्थान।

मो.: 8107877778

समाचार विज्ञापन संकलन

श्री बाबा समाचार पत्र की प्रकाशन तिथि प्रत्येक माह की 5 तारीख है। अत: समाचार एवं विज्ञापन आदि के प्रकाशन के लिए विज्ञप्ति, फोटो आदि सामग्री माह की 20 तारीख तक पूर्ण विवरण के साथ भिजवा दें। सम्पर्क करें:

श्री बाबा whatsapp 7073909291

सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर-15

मो.-9928260244 E-mail : shreebaba_2008@yahoo.com

डॉ. अम्बेडकर ने ऐसा संविधान बनाया जो सबको साथ जोड़कर रख सके

गतांक से आगे

राजनीतिक मुद्दों से परेशान अम्बेडकर का स्वास्थ्य बिगड़ता चला गया। 6 दिसम्बर 1956 को अम्बेडकर की नींद में ही दिल्ली स्थित उनके घर में मृत्यु हो गई। 7 दिसम्बर को बम्बई में चौपाटी समुद्र तट पर बौद्ध शैली में उनका अंतिम संस्कार किया गया जिसमें उनके हजारों समर्थकों, कार्यकर्ताओं और प्रशंसकों ने भाग लिया।

अम्बेडकर के दिल्ली स्थित 26 अलीपुर रोड के उस घर में एक स्मारक स्थापित किया गया है जहां वो सांसद के रूप में रहते थे। देश भर में अम्बेडकर जयन्ती पर सार्वजनिक अवकाश रखा जाता है। अनेकों सार्वजनिक संस्थानों का नाम उनके सम्मान में उनके नाम पर रखा गया है। अम्बेडकर का एक बड़ा चित्र भारतीय संसद भवन में लगाया गया है। हर वर्ष 14 अप्रैल व 6 दिसम्बर को मुंबई स्थित उनके स्मारक पर काफी लोग उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए आते हैं। बाबासाहेब डॉ. अम्बेडकर को 1990 में मरणोपरांत भारत रत्न से सम्मानित किया गया। सरकार ने बाबा साहेब को बहुत देर से भारत रत्न सम्मान प्रदान किया जिसके वे पहले हकदार थे।

डॉ. अम्बेडकर की सामाजिक और राजनैतिक सुधारक की विरासत का आधुनिक भारत पर गहरा प्रभाव पड़ा है। स्वतंत्रता के बाद के भारत में उनकी सामाजिक और राजनीतिक सोच को सम्मान हासिल हुआ। उनकी यह सोच आज की सामाजिक, आर्थिक नीतियों, शिक्षा, कानून और सकारात्मक कार्रवाई के माध्यम से प्रदर्शित होती है।

भारतीय संविधान के रचयिता डॉ. भीमराव अम्बेडकर के कई सपने थे। भारत जाति-मुक्त हो, औद्योगिक राष्ट्र बने, सदैव लोकतांत्रिक बना रहे। अम्बेडकर विपुल प्रतिभाशाली छात्र थे। उन्होंने कोलंबिया विश्वविद्यालय और लन्दन स्कूल ऑफ

इकोनॉमिक्स दोनों ही विश्वविद्यालयों से अर्थशास्त्र में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त की। उन्होंने विधि, अर्थशास्त्र और राजनीति विज्ञान के शोध कार्य में ख्याति प्राप्त की थी। जीवन के प्रारम्भिक कॅरियर में वह अर्थशास्त्र के प्रोफेसर रहे एवं वकालत की। वो देश के एक बहुत बड़े अर्थशास्त्री थे। मगर देश उनके अर्थशास्त्री होने का उतना लाभ नहीं उठा पाया जितना उठाना चाहिये था। लोग अम्बेडकर को एक दलित नेता के रूप में जानते हैं जबकि उन्होंने बचपन से ही जाति प्रथा का खुलकर विरोध किया था। उन्होंने जातिवाद से मुक्त आर्थिक दृष्टि से सुदृढ़ भारत का सपना देखा था मगर देश की गन्दी राजनीति ने उन्हें सर्वसमाज के नेता की बजाय दलित समाज के नेता के रूप में स्थापित कर दिया।

डॉ. अम्बेडकर का एक और सपना भी था कि दलित धनवान बनें। वे हमेशा नौकरी मांगने वाले ही न बने रहें अपितु नौकरी देने वाले भी बनें। अम्बेडकर के दलित धनवान बनने के सपने को साकार कर रही है डिक्की। पुणे के दलित उद्यमियों ने दलित इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स ऍंड इंडस्ट्री (डीआईसीसीआई) नामक एक ट्रेड बॉडी बना ली है। जो दलित उद्यमियों को आगे बढ़ाने में सहयोग करती है।

भारत सरकार ने डॉ. भीमराव अंबेडकर का लंदन स्थित वह तीन मंजिला बंगला भी खरीद लिया है, जिसमें वह 1920 के दशक में एक छात्र के तौर पर रहे थे। अब इस भवन को एक अंतरर्राष्ट्रीय स्मारक में तब्दील किया जाएगा जहां दुनिया भर के लोग डॉ. अम्बेडकर के विचारों को जान व समझ सकेंगे।

सम्पादकीय

जल-चेतना का काल

देश में सुखाड़ की स्थिति से निपटने के लिए जल को जनचेतना का विषय बनाने पर केंद्रीय मंत्री का जोर देना बिल्कुल सही विचार है। मोदी सरकार की महत्त्वाकांक्षी ''जल शक्ति अभियान' की शुरुआत के मौके पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र शेखावत ने दो टूक कहा कि देश पर आसन्न जल संकट से निपटने की जिम्मेदारी जितनी सरकार की है, उतनी जनता की भी है। और जनता को इस अभियान से जोड़कर ही इस समस्या पर जीत हासिल की जा सकती है। जाहिर तौर पर देश के अधिकांश हिस्सों खासकर दक्षिण भारत, पश्चिम भारत और उत्तर भारत के कई शहर पानी के अभूतपूर्व संकट से दो-चार हैं। पानी के इस्तेमाल और अपने बर्तनों में भरने के जिस तरह के दृश्य हम देखते हैं, उससे पानी को लेकर आने वाले समय में हालात और कितने दुरूह होंगे, इसकी कल्पना से सिहरन होती है। ठीक है कि जनता को जल के उचित इस्तेमाल के लिए तैयार करने और उन्हें सही मार्गदर्शन देने से इस चिंता को पाटा जा सकता है, मगर सरकार को भी कई स्तर पर पानी के बेजा इस्तेमाल और ऊंची बिल्डिगों के लिए पहले से बने नियमों को सख्ती से लागू कराने के लिए कमर कसनी होगी। और यह उतना आसान नहीं है, जितनी आसानी से मोदी सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में स्वच्छता अभियान को जन-जन तक पहुंचाकर उसे सफल बना दिया। नियम है कि सरकार से टोकन राशि पर मिली जमीन पर बने स्कूल, अस्पताल और अन्य बड़ी इमारतों को जल संचयन की ठोस परिकल्पना अमल में लानी होगी। मगर ईमानदारी से इसे कितने स्कूल, अस्पताल और बड़े भवन के मालिक अमल में लाते हैं, यह सबको पता है। इस बात में कोई दो-राय नहीं कि जल संकट राष्ट्रीय चिंता का विषय है। और सभी को मिलकर इसका हल निकालना होगा। ''पानी बनाया नहीं जा सकता है, बचाया जा सकता है', सो जल का उपयोग समझदारी के साथ कैसे और किस रूप में किया जाए, इसमें सरकार और पानी के मसले पर काम कर रही एजेंसी और विशेषज्ञों की मदद ली जा सकती है। हो सके तो स्कूल लेवल से ही पानी के महत्त्व को बताने वाले पाठ्यक्रम शामिल किए जाएं, हर नागरिक को कम-से-कम एक पेड़ लगाने का नियम आवश्यक किया जाए। कुल मिलाकर जल संकट से फिलवक्त मुंह चुराने का नहीं बल्कि कार्यस्तर पर डटकर मुकाबला करने का समय है।

सदस्यता शुल्क

वार्षिक सदस्यता

100 रुपए

विशिष्ट द्विवार्षिक सदस्यता

500 रुपए

साथ में पाएं दो वैवाहिक एवं एक क्लासीफाइड डिस्प्ले विज्ञापन बिल्कुल मुफ्त

आजीवन सदस्यता

2100 रुपए

संरक्षक सदस्यता

5100 रुपए

वैवाहिक

वर चाहिए

* जयपुर निवासी, 29 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., अंग्रेजी, वर्तमान में जयुपर यू.को. बैंक में एसिस्टेंट, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-सुलाणिया, लकवाल, बैण्डवाल।
* जयपुर निवासी (तलाक सुदा), 36 वर्ष, शिक्षा-एम.ए., बी.एड., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-कुण्डारा, डेहरवाल, बैण्डवाल व सामने देवतवाल न हो।
* जयपुर निवासी, 29 वर्ष, शिक्षा-बी.टेक., एम.बी.ए., स्वयं का व्यवसाय, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-गोमलाडू, बुहाडिया, बेथाड़िया।
* जयपुर निवासी, 23 वर्ष, शिक्षा-बी.कॉम., एम.कॉम. प्रथम वर्ष, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-नागरवाल, कुण्डारा, बुआ, सामने आकोदिया न हो, मो. 9414052846
* जयपुर निवासी (तलाकशुदा), 31 वर्ष, शिक्षा-बी.ए.,बी.एड., एल.एल.बी. पिता-बैंक सेवा, गौत्र-मेहर, लोदवाल, बंशीवाल।
* जयपुर निवासी (तलाकशुदा), 31 वर्ष, शिक्षा-बी.एस.सी., बी.एड. पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-भियाणा, बंशीवाल, गंगवाल, जोनवाल।
* जयपुर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-एम.बी.बी.एस., वर्तमान में राजकीय चिकित्सक चित्रकुट मेडिकल कॉलेज, पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-उच्चैनिया, भीमवाल, रसगानिया।
* जयपुर निवासी, 21 वर्ष, शिक्षा-बी.कॉम, पिता-प्राईवेट जॉब, गौत्र-मीमरोट, लोदवाल, बखण्ड, नंगवाड़ी, बंशीवाल व सामने जीणवाल न हो।
* जयपुर निवासी, 25 वर्ष, शिक्षा-एम.कॉम., पिता-राजकीय सेवा, गौत्र-नंगवाड़ा, कुण्डारा, जोनवाल, मेहर।
* अजमेर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., बी.एड., एम.ए., पिता-निजी कार्य, गौत्र-धवन, नागरवाल, ढंढेरवाल, बान्दरवाल व सामने मुरारिया न हो।
* अजमेर निवासी, 31 वर्ष, शिक्षा-बी.एस.सी., बी.एड., एम.एस.सी., पी.एच.डी. अध्ययनरत, पिता-निजी कार्य, गौत्र-धवन, नागरवाल, ढंढेरवाल, बान्दरवाल व सामने मुरारिया न हो मो. 9024707422

वधू चाहिए

* जयपुर निवासी, 31 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., एम.ए., एम.बी.ए., एस.एस.सी. पास, पिता राजकीय सेवा, गौत्र-बंशीवाल, नागरवाल, सुलाणिया, सामने बैथेड़ा ना हो।
* टोंक निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-एम.कॉम., नेट, वर्तमान में एसिस्टेन प्रोफेसर सरकारी कॉलेज, पिता राजकीय सेवा, गौत्र-सिसोदिया, गजरानिया, नंगवाड़ा, सामने जाटवा ना हो।
* जयपुर निवासी, 29 वर्ष, शिक्षा-बी.टेक. व एम.टेक, वर्तमान में सिविल इंजी. (शाह टेक्निकल कंस्लटेन्सी, जयपुर), पिता राजकीय सेवा, गौत्र-टटवाड़िया, रेसवाल, गोठवाल।
* टोंक निवासी, 22 वर्ष, शिक्षा-स्पेशल बी.एड., पिता राजकीय सेवा, गौत्र-आकोदिया, मेहर, गोमलाडू।
* जयपुर निवासी, 28 वर्ष, शिक्षा-बी.एस.सी., वर्तमान में प्राईवेट जॉब, पिता राजकीय सेवा, गौत्र नंगवाड़ा, कुण्डारा, जोनवाल, सामने महर न हो, मो. 8302594945
* जयपुर निवासी, 30 वर्ष, शिक्षा-एम.सी.ए., वर्तमान में ज.वी.वी.एन.लि. कोमखील एसिस्टेंट, पिता राजकीय सेवा, गौत्र मरमट, मिमरोट, कुण्डारा, मो. 7820889367
* जयपुर निवासी, 27 वर्ष, शिक्षा-बी.टेक., वर्तमान में ज.वी.वी.एन.लि. कनिष्ठ अभियन्ता, पिता राजकीय सेवा, गौत्र डोरिया, देवतवाल, मिमरोट।
* टोंक निवासी, 22 वर्ष, शिक्षा-बी.टेक., एम.एस.सी. तैयारी, वर्तमान में स्वयं को कोचिंग सेन्टर, पिता राजकीय सेवा, गौत्र आकोदिया, मेहर, गोमलाडू, मो. 9414639864
* टोंक निवासी (विधुर), 27 वर्ष, शिक्षा-एम.कॉम., वर्तमान में सरकारी एसिस्टेंट प्रोफेसर, पिता राजकीय सेवा, गौत्र सिशोदिया, गजरानिया, नगंवाड़ा।
* जयपुर निवासी, 34 वर्ष, शिक्षा-बी.ए., एम.ए., वर्तमान में स्वयं का ज्वैलरी का व्यवसाय, पिता निजी कार्य, गौत्र जोनवाल, कुवाल, लोदवाल, जाटवा।

विस्तृत जानकारी के लिए सम्पर्क करें, **मो.: 9928260244**

हमारी सरकार का एकमात्र.... (पृष्ठ 1 का शेष)

यह किसी भी दृष्टि से ठीक नहीं। धर्म के नाम पर जो मुल्क बने आज उनकी स्थिति किसी से छुपी नहीं है। जनस्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री श्री बीडी कल्ला ने कहा कि स्व. दुर्गाप्रसाद चौधरी की श्रम के प्रति निष्ठा थी। उन्होंने हमेशा गांधीवादी जीवन जिया। युवा पीढ़ी को उनके व्यक्तित्व से सादा जीवन और उच्च विचार रखने की प्रेरणा लेनी चाहिए। सूचना एवं जनसम्पर्क मंत्री डॉ. रघु शर्मा ने कहा कि कप्तान दुर्गाप्रसाद चौधरी द्वारा शुरू किया गया दैनिक नवज्योति अखबार आज भी सबसे विश्वसनीय अखबार है। स्व. चौधरी की आजादी के आंदोलन में महत्वपूर्ण भूमिका रही। उनका जीवन सबके लिए प्रेरणा स्रोत है। समारोह में मुख्यमंत्री ने इस वर्ष का कप्तान दुर्गाप्रसाद चौधरी पत्रकारिता पुरस्कार वरिष्ठ पत्रकार विनोद वाजपेयी को प्रदान किया। साथ ही सुधा कावड़िया, श्री काशीनाथ जैन, रामभजन कुमावत, श्री प्रदीप कुमार शर्मा, हेमराज पारीक तथा भागीरथ को प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया। इससे पहले दैनिक नवज्योति के प्रधान सम्पादक दीनबंधु चौधरी ने स्व. कप्तान दुर्गाप्रसाद चौधरी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। निदेशक नरेन्द्र चौधरी ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महापौर विष्णु लाटा एवं दैनिक नवज्योति के निदेशक हर्ष चौधरी सहित अन्य गणमान्यजन उपस्थित थे।

हैल्थ टिप्स

- ➡ हल्दी फिटकरी व इमली के पत्तों को समभाग में लेकर इन्हें पीसकर पुल्टिस बनाकर सैक करने से आँखों की जलन और लाली दूर होती है।
- ➡ धनियाँ को पानी में भिगो दे। 2 घण्टे बाद उसे मसलकर छान ले। फिर उस पानी में शहद व शक्कर मिलाकर शरबत बना ले। इस शरबत को पीने से गर्मी के मौसम में बार-बार लगने वाली प्यास से राहत मिलती है।
- ➡ तुलसी के पत्तों के रस व अदरक के रस में समान मात्रा में नींबु का रस मिलाये, इसके पीने से पित्त शान्त होता है।
- ➡ तुलसी के 40-50 पत्ते तोड़ ले, एक पत्ता मुंह में रखे, शेष पत्तों को तकीये के दोनों किनारों के नीचे दबा दे और लेट जाये, ज्यों-ज्यों सुगन्ध की जहर नथुनों तक पहुंचेगी वैसे वैसे अनिन्द्रा वाले रोगी को नींद आने लगेगी।
- ➡ छाती में जलन, अम्लशूल में पोदीना चबाते अथवा इसका रस पीने से आराम मिलता है।
- ➡ शेम्पू या साबुन के स्थान पर 100 ग्राम दही में 1 ग्राम काली मिर्च बारीक पिसी हुई मिलाकर सप्ताह में एक बार सिर में लगायें और फिर गुनगुने पानी से अच्छी तरह बाल धो डाले। इससे बाल काले होने के साथ-साथ झडने बंद हो जाते हैं।
- ➡ पैर के दोनों तलवों पर रोज 10 मिनट देशी घी की मालिश करने से एसिडीटी में आराम पहुंचता है।
- ➡ चाय की पत्तियों को पानी में उबालकर चेहरे पर लगाये। यह सनस्क्रीन जैसा काम करता है।
- ➡ अजबाईन और काली मिर्च के चूर्ण को नियमित खाने से दमा रोगियों को राहत पहुंचती है।
- ➡ इमली के बीज को पीसकर उसे पानी में घोलकर कपड़े से छान ले इस पानी में शक्कर मिलाकर पीने से लू का शमन होता है।

फर्स्ट टाइम योगा करने जा रही हैं तो जान लें ये बातें

तन-मन को स्वस्थ रखने के लिए योग सबसे बेहतरीन ज़रिया है, तभी तो आजकल हर कोई योग का दीवाना हुआ जा रहा है। नेता से लेकर अभिनेता तक हर कोई योग के

फायदे गिनाते नज़र आ रहे हैं और देखा जाए तो यह बिल्कुल सच है। योग से आपका शरीर लचीला बनता है, एकाग्रता आती है, टेंशन दूर होती है यानी योग आपके संपूर्ण स्वास्थ्य का ध्यान रखता है, लेकिन यह सब तभी होगा जब आप इससे जुड़ी कुछ बातों का ध्यान रखें। खासतौर पर पहली बार योग करने वालों को ये बातें ज़रूर पता होनी चाहिए।

वार्मअप है ज़रूरी

जिस तरह वर्कआउट से पहले वार्मअप किया जाता है वैसे ही योग करने से पहले भी वार्मअप करना बहुत जरूरी होता है। इससे मांसपेशियां सक्रिय होंगी और शरीर लचीला बनेगा जिससे आप हर तरह के आसन कर पाएंगे

मुश्किल आसन से न करें शुरुआत

योग की शुरुआत हमेशा सबसे आसान आसन से करनी चाहिए। प्रैक्टिस के बाद भी शुरुआत में ईज़ी आसन करें फिर धीरे-धीरे मुश्किल आसन की तरफ जाएं इससे किसी तरह का चोट लगने का डर नहीं रहेगा।

ठंडा पानी न पीएं

योग के दौरान ठंडा पानी पीना आपकी सेहत के लिए खतरनाक हो सकता है। क्योंकि योग करने से शरीर गर्म हो जाता है और ऐसे में यदि ठंडा पानी पिया जाए तो जुकाम, कफ और एलर्जी की शिकायत हो सकती है। इसलिए योगसन करने के दौरान और बाद में नार्मल पानी ही पीएं।

बीमारी में नो योग

जिन लोगों को जोड़ों, कमर, घुटनों में अधिक दर्द है तो डॉक्टर की सलाह पर ही योग करना चाहिए। साथ ही योगसन करने के दौरान बाथरूम नहीं जाना चाहिए बल्कि अपने शरीर का पानी पसीने के जरिए बाहर निकलना चाहिए।

गलत पोज न करें

योग का फायदा तभी होगा जब आप इसे सही तरीके से करेंगे। यदि आप गलत आसन में बैठते हैं तो इससे कमर दर्द, घुटनों में तकलीफ या मसल्स में खिंचाव हो सकता है। इसलिए योग करने से पहले ट्रेनर से सलाह ज़रूर लें।

तुरंत बाद न नहाएं

योग करने के तुरंत बाद न नहाने की गलती न करें, क्योंकि शरीर गर्म रहता है। तुरंत नहाने से सर्दी-जुकाम, बदन दर्द जैसी समस्या हो सकती है। इसलिए योग करने के एक घंटे बाद ही नहाएं।

खाने के बाद न करें योग

खाना खाने के तुरंत बाद कभी योग नहीं करना चाहिए। भोजन और योग में कुछ घंटों का अंतराल होना चाहिए। खाने के करीब 3 घंटे बाद योगासन करना ठीक होता है। वैसे सुबह के समय खाली पेट भी कुछ हल्के फुल्के योग किए जा सकते हैं। खाना खाने के बाद आप सिर्फ वज्रासन कर सकते हैं कुछ देर के लिए।

गर्भवती महिलाएं न करें योग

गर्भवती महिलाओं को इस अवस्था में योग के सारे आसन नहीं करने चाहिए। वह गर्भावस्था के लिए अलग से हल्के फुल्के बताए गए योग ही करें जिससे शरीर को आराम मिलेगा और बच्चे को भी नुकसान नहीं पहुंचेगा।

शांत और एकांत जगह

योग हमेशा एकांत करना चाहिए इससे ध्यान केंद्रित करने में आसानी होगी। तेज म्यूजिक और हंसी मजाक के माहौल में किया गया योग फायदेमंद नहीं होता।

राजस्व रिकॉर्ड में मूल जाति नाम को संशोधित जाति नाम अँकन कराना है अनिवार्य

मनुवादी व्यवथा द्वारा कार्य के आधार पर आवंटित मूल जाति के नाम में संशोधन करवाने में समाज के उन समाजसेवी शुभचिंतकों की अहम भूमिका रही है,जिन्होंने आजादी से पूर्व ही मूल जाति के नाम में संशोधन करवाकर बैरवा नाम दिलवाया है। समाज उनका आभारी है।

अखिल भारतीय बैरवा महासभा के बुद्धिजीवी समाज सुधारकोँ यथा श्री विवेकदास जी महाराज, श्री मुनीश्वरानंद जी महाराज, स्वामी हीरादास जी महाराज, श्री हरिशंकर सिद्धांतशास्त्री, मास्टर झूथालालजी, श्री हरिहरानंद त्यागीजी महाराज, शिव प्रसाद मरमठ, एवं मधुकर मरमठ द्वारा समाज की मूल जाति नाम में संशोधन करवा कर बैरवा नाम दिलवाने में सामूहिक सफल प्रयास रहा।

राजस्थान सरकार एवं मध्य प्रदेश सरकार द्वारा बैरवा नाम को अनुसूचित जाति की सूची में 1950 के बाद ही मान्यता प्रदान कर दी गई थी परंतु ,दिल्ली प्रदेश में काफी प्रयासों के बावजूद भी आज दिनांक तक भी बैरवा समाज को अनुसूचित जाति की सूची में शामिल नहीं किया जाना बैरवा समाज के लिए एक बहुत बड़ी कमजोरी रही है। दिल्ली में आज भी बैरवा समाज के छात्र-छात्राओं का जाति प्रमाण पत्र बलाई जाति के नाम से बनाया जाता है। जिसके लिए बैरवा समाज के पूर्व सांसद, वर्तमान सांसद , विधायक तथा गत 73 वर्षो से अखिल भारतीय बैरवा महासभा के अब तक रहे सभी राष्टीय अध्यक्ष भी जिम्मेदार हैं। संभवत, निरंतर एवं ठोस प्रयास का अभाव रहा है ।

ग्रामीण परिवेश में राजस्व रिकॉर्ड में खातेदारों के नाम के साथ मूल जाति का नाम आज भी अंकित किया हुआ है। जबकि, आजादी से पूर्व ही दिनाँक 29/4 /1946 को ही बैरवा समाज के नाम का पंजीयन भारत सरकार से आदेश कर्मांक- एस= 277/JSC/ द्वारा करवा लिया गया था । जिससे स्पष्ट है कि हमारे समाज के मूल नाम में संशोधन करवा कर बैरवा नाम दिये हुए 73 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। कुंठित मानसिकता वाले स्वर्ण समाज के अधिकारी, पटवारी, अमीन आदि अभी भी मूल जाति का नाम ही राज्य सरकार के राजस्व रिकॉर्ड में अंकित करते आ रहे हैं। जिला, तहसील, पटवार कार्यालय एवं ग्राम पंचायत कार्यालय आदि में रिकॉर्ड का वाचन करते हुए अँकित मूल जाति के नाम से ही पुकारा जाता है, जिसे सुनते ही स्वाभिमान को ठेस का आभास होता है। लगता है जैसे किसी ने गाली देदी हो। नवयुवकों को तो यह कतई बर्दाश्त नहीं है।

अनुसूचित जाति के मूल नाम को सरकार ने अनुसूचित जाति जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम 1989 लागू करने के बाद मूल जाति नाम को अस्पृश्यता की परिभाषा में मानते हुए गाली माना गया है, जो दंडनीय अपराध की परिभाषा में आता है। राजस्व रिकॉर्ड की जमाबंदी में दर्ज अनुसूचित जाति (चमार) को प्रचलित जाति के नाम से प्रतिस्थापित करने के संबंध में माननीय उच्चतम न्यायालय ने अपने निर्णय दिनांक 19/4/ 2011 स्वर्ण सिंह एवं अन्य बनाम भारत सरकार में उक्त जाति शब्द चमार को Derogatory/Insulting/Abusing अर्थात गाली माना गया है।

राज्य सरकार ने अपने परिपत्र दिनांक 26/12/ 95, एवँ 1/11/196 द्वारा समस्त जिला कलेक्टर तथा तहसीलदारों को निर्देश जारी कर, ऐसे काश्तकारों की जाति को संशोधित करवाने हेतु काश्तकार से ज्ञात कर जैसे कि बैरवा जाटव मेघवाल बलाई आदि (क्षेत्रीय संशोधित जाति नाम के अनुसार) संशोधित जाति का नाम अंकन कराने हेतु विकल्प प्राप्त कर कुछ तहसीलदारों द्वारा अनुसूचित जाति की संशोधित जाति का नाम काश्तकारों के राजस्व रिकॉर्ड में संशोधन कर दर्ज कर दिया गया है। परंतु कुछ जिलोँ मेँ तहसीलदारों एवँ पटवारियों द्वारा अभी तक भी राजस्व रिकार्ड में संशोधित जाति का नाम अंकित कर राजस्व रिकॉर्ड दुरस्त नहीं किया गया है। आज भी अभी तक मूल जाति का नाम ही अंकित है। गत वर्षों में तत्कालीन जिला कलेक्टर राजसमंद (श्री पीसी बेरवाल आईएएस) ने दिनांक 8/ 06/ 2017 को जिले में आदेश जारी कर राजस्व रिकॉर्ड में जाति का नाम संशोधित करवाने वास्ते निर्देश जारी किए गए थे।

इसलिए, इस समाचार पत्र के माध्यम से ध्यान दिलाना चाहूंगा कि जिन काश्तकारों ने अपने राजस्व रिकॉर्ड में मूल जाति का संशोधित नाम बैरवा अँकित नहीं करवाया गया है, तो संबंधित तहसीलदार पटवारी से संपर्क कर राजस्व रिकॉर्ड में संशोधन करवाना अनिवार्य समझेँ। यदि आपको मेरे यह विचार सही लगे या गलत लगे तो मुझे फोन पर बताएं।

-विचारक

बाबूलाल महुआ

सेवानिवृत लेखाधिकारी एवँ समाजसेवी

आर्टिकल- 15 को शेयर व उसको एक सुपरहिट फ़िल्म व इसके लिए विशेष अभियान

जयपुर। अम्बेडकरवादियों से सविनय निवेदन यह हैं की हमारे बहुजन समाज पर आधारित फ़िल्म। जिसने बाबा साहब व भारतीय संविधान पर अपनी फिल्म मे पूर्ण

जोर दिया हैं जिसके निर्देशक अनुभव सिन्हा व एक्टर आयुषमान खुराना हैं। इस फ़िल्म का ट्रेलर 30 मई को रिलीज़ हो चूका हैं अगर आप सभी ने उसको नहीं देखा तो आप यूट्यूब पर जाकर देख सकते हो इस फ़िल्म की ऑनलाइन ट्रैंडिंग बहुत कम चल रही हैं। सबसे अधिक आश्चर्य की बात तो यह हैं की कोई भी टीवी चैनेल इस फ़िल्म के ट्रेलर को नहीं दिखा रहा हैं जिससे लोग को इस फ़िल्म का पता ही नहीं हैं की इस प्रकार की भी कोई फ़िल्म आ रही हैं जो संविधान और समाज में हो रहे शोषण के खिलाफ आवाज उठाती हैं।

भारतीय संविधान पर आधारित बनी येफ़िल्म आर्टिकल-15 हर भारतीय को देखनी चाहिये। मेरा आप सभी साथियों से व भीम आर्मी से पूर्ण अनुरोध हैं की इस फ़िल्म के लिए अभियान शुरू किया जाये जिससे सभी लोगों को इस फ़िल्म के बारे में पता चले व ये फ़िल्म एक सुपरहिट फ़िल्म बनके निकले इस फ़िल्म के निर्देशक व एक्टर को हिम्मत के साथ सच्चाई दिखाने के लिए धन्यवाद देता हूं।

फ़िल्म 28 जून को रिलीज़ हो गई है। प्लीज सभी भाई बहन देखने जरुर जायें और इस मूवी को सुपरहिट मूवी बनाने मे बहुजन समाज का सहयोग करे।

जय भीम जय हिन्द

कांग्रेस ने जिला परिषद की 9 में से 7, पंचायत की 75 में से 39 सीटें जीतीं

लोकसभा चुनाव में हार के बाद उपचुनाव में राहत

जयपुर। लोकसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद मंगलवार को पंचायत समिति और जिला परिषद के लिए हुए उपचुनाव के नतीजे कांग्रेस के लिए राहत देने वाले हैं।

उपचुनाव में कांग्रेस ने भाजपा को बड़े अंतर से हराया है। जिला परिषद सदस्य के लिए नौ सीटों के लिए हुए उप चुनाव में कांग्रेस ने सात सीटों पर और पंचायत समिति के 75 में से 39 सीटों पर कांग्रेस को विजय मिली है। भाजपा को जिला परिषद में महज एक सीट से संतोष करना पड़ा है। प्रदेश में 75 पंचायत समिति के सदस्यों और 9 जिला परिषद सदस्यों के 30 जून को उप चुनाव हुए थे। इसमें कांग्रेस ने बाजी मारते हुए पंचायत समिति में 75 में से 39 सीटें जीती है तो वहीं भाजपा के हाथ केवल 29 सीटें आई हैं। छह सीटों पर निर्दलीयों ने भी जीत दर्ज की है तो एक सीट पर चुनाव नहीं हुआ। जिला परिषद सदस्यों के 9 सीटों पर उप चुनाव हुए।

भाजपा के अलावा एक सीट रालोपा ने जीती है। कांग्रेस ने बारां, भीलवाड़ा, दौसा, बीकानेर, अलवर और नागौर में जीत दर्ज की है।

भाजपा को केवल झालावाड़ में सीट पर विजय मिली है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मतदाताओं का आभार और कांग्रेस कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और विजयी उम्मीदवारों को बधाई दी। उधर, उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने मतदाताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा- जनता ने कांग्रेस में विश्वास जताया है।

मां. तब. भी. रोती थी. जब. बेटा. पेट. मे. लात. मारता. था. मां. तब. भी. रोती. थी. जब. बेटे. को. चोट. लग. जाती. थी. मां. तब. भी. रोती. थी. जब. बेटा. बुखार. मे. तडपता. था. मां. तब. भी. रोती. थी. जब. बेटा. खाना. नहिं. खाता. था. और. मां. आज. भी. रोती. है. जब. बेटा. खाना. नहि. देतां. है.।

सपना चौधरी के कार्यक्रम को मंजूरी क्यों नहीं दी थी हाईकोर्ट ने कमिश्नर सहित अन्य से मांगा जवाब

जयपुर। हाईकोर्ट ने डांसर सपना चौधरी के सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन की मंजूरी नहीं देने पर पुलिस कमिश्नर, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त लॉ एंड आर्डर, डीसीपी वेस्ट, एसीपी वेस्ट व करणी विहार पुलिस थानाधिकारी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

जस्टिस वीएस सिराधना ने यह अंतरिम निर्देश राहुल तिमोली की याचिका पर दिया। याचिका में कहा कि उसने 30 जून को डांसर सपना चौधरी के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन के लिए 14 जून को डीसीपी से और 22 जून को पुलिस कमिश्नर से अनुमति मांगी थी। लेकिन उन्होंने कार्यक्रम आयोजित करने की मंजूरी नहीं दी और उसका प्रार्थना पत्र लंबित है। याचिका में कहा कि प्रार्थी को कार्यक्रम

आयोजित करने के लिए कोई तारीख तय करवाई जाए जिससे कि वह उसे आयोजित कर सके।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती ममता भूपेश बैरवा को जन्म दिन की बधाई एवं शुभकामनाऐं देते श्री संजय जोनवाल।

रात्रिकालीन आयुर्वेद चिकित्सा चौपाल रेनवाल मांजी में हुआ संपन्न

रेनवाल मांजी (फागी)। कस्बे के कल्याण कॉलोनी स्थित गोठवाल भवन प्रॉंगण में Asclepius Wellness आयुर्वेदिक संस्था जयपुर द्वारा दिनांक 28 जून 2019 को शाम 8 बजे से 10 बजे तक रात्रिकालीन आयुर्वेद चौपाल का आयोजन हुआ। जिसमें आयुर्वेद के बारे में,वर्तमान में हो रही बीमारियों से बचाव, रोगों में ध्यान रखने योग्य नुख्से,बचाव व उपचार के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई इस अवसर पर अतिथि के रूप में व चौपाल में आयुर्वेद के बारे में विस्तार से जानकारी देने के लिए श्री राजेन्द्र जांगिड़, श्री शिवनारायण सैनी अध्यापक जयपुर, डॉ लालचन्द सैनी,रामनारायण चौधरी पधारे संचालन त्रिलोकराज बैनिवाल ने किया। इस अवसर पर शंकर लाल गोठवाल,कानाराम गोठवाल, रामलाल बैरवा,घासीराम बैरवा,हनुमान रैगर, शक्ति भाई मंसूरी सहित मौहल्ले के स्त्री पुरुषों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।सभी ने भरपूर आयुर्वेदिक जानकारी ग्रहण किया।

आठ जुलाई से बनेंगे हाथकरघा बुनकरों के फोटोयुक्त परिचय पत्र

जयपुर। राज्य में 8 जुलाई से शिविर आयोजित कर हाथकरघा बुनकरों के फोटोयुक्त परिचय पत्र नि:शुल्क बनाए जाएंगे। उद्योग आयुक्त एवं सचिव सीएसआर डॉ. कृष्णा कांत पाठक ने बताया कि सभी जिला उद्योग केन्द्रों पर 8 जुलाई से 19 जुलाई तक शिविर आयाजित कर हाथकरघा बुनकरों के परिचय पत्र बनाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए जिला उद्योग केन्द्रों को आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं। महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्रों को निर्देशित किया गया है कि उद्योग केन्द्र परिसर में करघा लगाया जाए और शिविर में आने वाले बुनकरों से करघा संचालित करवा कर परिचय पत्र बनाए जाए। बुनकर परिचय पत्र केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं में उपयोगी होंगे।

श्री बाबा समाचार पत्र के आजीवन सदस्य बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं

श्री शंकर लाल बैरवा
एडवोकेट
राज. उच्च न्यायालय, जयपुर
निवास:
9-ए, अग्रसेन नगर, जयपुर
मो. 9413502868

अशोक बैरवा पूर्व कैबिनेट मंत्री व वर्तमान खण्डार विधायक को जन्मदिन हार्दिक बधाई व शुभकाँमनाये दी

इस अवसर पर अखिल भारतीय बैरवा महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिनारायण बैरवा जी, रोड़ूराम सुलानियाँ जी, एडवोकेट मोहन प्रकाश बैरवा, बाबूलाल महुवा जी,प्रेम चन्द बैरवा जी, ओम प्रकाश कुवाल जी, शान्ति स्वरूप जी, ललित लोदिया जी, विनोद कुमार जी आदि सभी ने जन्मदिन की बधाई दी।

कर्मचारी बीमा निगम की योजनाओं को बताया

जयपुर। श्रम राज्यमंत्री टीकाराम जूली ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम के क्षेत्रीय परिषद की बैठक ली।

बैठक में मंत्री को निगम एवं कराबी योजना के माध्यम से बीमितों को दी जा रही सुविधाओं के बारे में अवगत कराया। बैठक में शासन सचिव श्रम एवं नियोजन नवीन जैन, आयुक्त डॉ समित शर्मा सहित अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

छह माह की ट्रेनिंग के बाद ही पढ़ा पाएंगे इंजीनियर शिक्षक

ट्रेनिंग के बाद टेस्ट भी पास करना होगा, तभी नौकरी

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग कॉलेजों के नए शिक्षक अब भर्ती होते ही सीधे छात्रों को नहीं पढ़ा सकेंगे।

पहले उन्हें 6 माह का ट्रेनिंग प्रोग्राम पूरा करना होगा। ऑल इंडिया काउंसिल ऑफ टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) से जुड़े इंजीनियरिंग कॉलेजों के नए शिक्षकों को यह ट्रेनिंग करनी होगी। इस ऑनलाइन ट्रेनिंग के बाद टेस्ट में पास होने के बाद ही शिक्षकों की नौकरी पक्की होगी। अगस्त से शुरू होने वाली ट्रेनिंग में इस बार 30 हजार शिक्षक शामिल होंगे।

अभी एआईसीटीई से जुड़े साढ़े तीन हजार कॉलेजों में इंजीनियरिंग की पढ़ाई होती है। यह ट्रेनिंग 8 विषयों- कला, रिसर्च, लीडरशिप, एडवांस्ड टेक्नोलॉजी, कम्प्यूटर व प्रयोगशाला से संबंधित विषयों की होगी।

श्री बाबा समाचार पत्र के विशिष्ठ सदस्य बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं

श्री बी.एल. वर्मा
सेनि. अति. मुख्य अभियन्ता

श्री प्रेमचन्द जोनवाल
आई.ई.एस.(एम.ई.एस.), जयपुर

श्री सोहन लाल नागर
सेनि. उप शासन सचिव, जयपुर

श्री जगदीश बैरवा
लालकोठी, जयपुर

श्री चाँद बिहारी बंशीवाल
सी. हैड मेसेनजर, एस.बी.आई.

स्वामीत्व, मुद्रक, प्रकाशक, रजनी के लिए एम.बी. प्रिन्टर्स एफ-76 ए, करतारपुरा इण्ड. एरिया मोरानी वर्क्सशॉप के पास जयपुर से मुद्रित एवं सी-57, महेश नगर, 80 फीट रोड, जयपुर-15 (राज.) से प्रकाशित। सम्पादक-भवनेश धावनिया। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर होगा। मो.-9928260244, 9829271582 E-mail : shreebaba_2008@yahoo.com